

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा: संयुक्त राष्ट्र

प्रलिस के लिये

संयुक्त राष्ट्र महासभा, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन

मेन्स के लिये

सौर ऊर्जा का महत्त्व और इस संदर्भ में सरकार द्वारा किये गए प्रयास

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [संयुक्त राष्ट्र महासभा](#) (UNGA) ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) को पर्यवेक्षक का दर्जा प्रदान किया।

- यह अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और संयुक्त राष्ट्र के बीच नियमिति तथा बेहतर सहयोग सुनिश्चित करने में मदद करेगा, जिससे वैश्विक ऊर्जा विकास को लाभ होगा।
- इससे पहले, [अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन](#) की चौथी महासभा आयोजित की गई थी, जहाँ कुल 108 देशों ने अधिनसभा में भाग लिया, जिसमें 74 सदस्य देश, 34 पर्यवेक्षक, 23 भागीदार संगठन तथा 33 विशेष आमंत्रित संगठन शामिल थे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा

- **परिचय**
 - 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' संयुक्त राष्ट्र का मुख्य वचिार-वमिर्श, नीति निर्धारण और प्रतनिधि अंग है।
 - महासभा में संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य राष्ट्रों का प्रतनिधित्व है, जो इसे सार्वभौमिक प्रतनिधित्व वाला एकमात्र संयुक्त राष्ट्र निकाय बनाता है।
 - महासभा के अध्यक्ष को प्रत्येक वर्ष महासभा द्वारा एक वर्ष के कार्यकाल के लिये चुना जाता है।
- **बैठक:**
 - प्रतविर्ष सतिंबर में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों की वार्षिक महासभा का आयोजन न्यूयॉर्क के जनरल असेंबली में किया जाता है और इसमें सामान्य बहस होती है तथा कई राष्ट्र प्रमुखता से भाग लेते हैं।
 - महासभा में महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर नरिणय लेने जैसे कशिशांति एवं सुरक्षा, नए सदस्यों के प्रवेश तथा बजटीय मामलों के लिये दो-तहिाई बहुमत की आवश्यकता होती है।
 - अन्य प्रश्नों पर नरिणय साधारण बहुमत से लिया जाता है।

प्रमुख बदि

- **ISA के बारे में:**
 - 'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन' संधि-आधारित एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसका प्राथमिक कार्य वतितपोषण एवं प्रौद्योगिकी की लागत को कम करके सौर विकास को उत्प्रेरित करना है।
 - 'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन', '[वन सन, वन वरल्ड, वन ग्रिड](#)' (One Sun One World One Grid - OSOWOG) को लागू करने हेतु नोडल एजेंसी है, जिसका उद्देश्य एक विशिष्ट क्षेत्र में उत्पन्न सौर ऊर्जा को किसी दूसरे क्षेत्र की बजली की मांग को पूरा करने के लिये स्थानांतरित करना है।
- **लॉन्च:**
 - यह एक भारतीय पहल है जिसे भारत के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा 30 नवंबर, 2015 को फ्रांस (पेरिस) में यूएनएफसीसीसी के पक्षकारों के सम्मेलन ([COP-21](#)) में 121 सौर संसाधन समृद्ध राष्ट्रों के साथ शुरू किया गया था जो पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से

करक और मकर रेखा के बीच स्थिति हैं।

- **सदस्य:**
 - अमेरिका के शामिल होने के बाद कुल 101 सदस्य।
- **मुख्यालय:**
 - इसका मुख्यालय भारत में स्थिति है और इसका अंतरिमि सचवालय गुगुग्राम में स्थापति कया जा रहा है।
- **उद्देश्य:**
 - इसका उद्देश्य सदस्य देशों में सौर ऊर्जा के वसितार हेतु परमुख चुनौतियों का सामूहिक रूप से समाधान करना है।
- **नए ISA कार्यक्रम:**
 - सौर पीवी पैनलों और बैटरी उपयोग अपशषिट एवं सौर हाइड्रोजन कार्यक्रम के परबंधन पर नए ISA कार्यक्रम शुरू कया गए हैं।
 - नई हाइड्रोजन पहल का उद्देश्य सौर बजिली के उपयोग को वर्तमान (USD 5 प्रति किलोग्राम) की तुलना में अधिक कफायती दर पर हाइड्रोजन के उत्पादन में सकषम बनाना है तथा इसके तहत इसे USD 2 प्रति किलोग्राम तक लाना है।
- **भारत की कुछ सौर ऊर्जा पहलें:**
 - **राष्ट्रीय सौर मशिन (जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना का एक हसिसा):** भारत को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में स्थापति करने हेतु देश भर में सौर ऊर्जा के प्रसार की लयि पारस्थितिक तंत्र का विकास करना।
 - **INDC लक्ष्य:** इसके तहत वर्ष 2022 तक 100 GW ग्रडि से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापति करने की अभकिल्पना की गई है।
 - यह गैर-जीवाश्म ईंधन आधारति ऊर्जा संसाधनों से लगभग 40% संचयी वदियुत शक्ति स्थापति क्षमता प्राप्त करने और वर्ष 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 33% से 35% तक कम करने हेतु भारत के 'राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारति योगदान' (INDCs) लक्ष्य के अनुरूप है।
 - **अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) और वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रडि (OSOWOG):**
 - **सरकारी योजनाएँ:** सोलर पार्क योजना, कैनल बैंक और कैनल टॉप योजना, बंडलगी योजना, ग्रडि कनेक्टेड **सोलर रूफटॉप योजना** आदि।
 - **पहला ग्रीन हाइड्रोजन मोबिलिटी प्रोजेक्ट:** 'नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड- रनियूएबल एनर्जी लिमिटेड (NTPC-REL) ने देश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन मोबिलिटी प्रोजेक्ट स्थापति करने हेतु केंद्रशासति प्रदेश लद्दाख के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कया हैं।
 - ग्रीन हाइड्रोजन का निर्माण अक्षय ऊर्जा (जैसे सौर, पवन) का उपयोग करके पानी के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा होता है और इसमें कार्बन फुटप्रिंट कम होता है।

सौर ऊर्जा

- **परचिय:**
 - यह सूर्य से निकलने वाला विकिरण है जो ताप पैदा करने, रासायनिक प्रतिक्रिया करने या बजिली पैदा करने में सकषम है।
 - पृथ्वी पर होने वाली सौर ऊर्जा की कुल मात्रा विश्व की वर्तमान और प्रत्याशाति ऊर्जा आवश्यकताओं से बहुत अधिक है। यदि उपयुक्त रूप से उपयोग कया जाता है, तो इस अत्यधिक वसिरति स्रोत में भवषिय की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता है।
- **महत्त्व:**
 - सौर ऊर्जा की उपलब्धता पूरे दिन बनी रहति है वषिष रूप से उस समय भी जब वदियुत ऊर्जा की मांग सर्वाधिक होती है।
 - सौर ऊर्जा को वदियुत ऊर्जा में रूपांतरति करने वाले उपकरणों की अवधि अधिक होती है और उनके रखरखाव की भी कम आवश्यकता होती है।
 - कम चलने वाली लागत और ग्रडि टाई-अप कैपटिल रटिरन (नेट मीटरगि)।
 - पारंपरिक ताप वदियुत उत्पादन (कोयले द्वारा) के वषिरीत सौर ऊर्जा से प्रदूषण की समस्या भी उत्पन्न नहीं होती है तथा स्वच्छ वदियुत ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा दया जाता है।
 - देश के लगभग सभी हसिसों में मुफ्त सौर ऊर्जा की प्रचुरता है।
 - सौर ऊर्जा के उपयोग में वदियुत के तार एवं ट्रांसमशिन का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं होती है।

स्रोत: द हट्टि